एक नजर में

पुष्पदंतेश्वर महादेव निकले भक्तों को दर्शन देने

इंदौर. श्रावण के दूसरे सोमवार को माता केशरबाई रघुवंशी पारमार्थिक धार्मिक न्यास के तत्वाधान में गणेश नगर स्थित शिव-हनुमान मंदिर से भव्य पालकी यात्रा निकाली गई. यात्रा संयोजक डा. तुलसीराम रघुवंशी एवं अभिभाषक रेवतसिंह रघुवंशी ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी ब्रह्मर्षि वर्फानी दादा की प्रेरणा से पुष्पदंतेश्वर महादेव मंदिर से यह पालकी यात्रा प्रारंभ हुई, जो आसपास के क्षेत्रों में भ्रमण करते हुए पुनः शिव हनुमान मंदिर पहुंची, जहां आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ सैकड़ों भक्तों ने भोले से सुख, शांति एवं समृद्धि की प्रार्थना की. भक्तों में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुईं, जिन्होंने भजनों पर नाचते-गाते हुए भोले की आराधना की. रघुवंशी ने बताया कि श्रावण में मंदिर पर प्रत्येक सोमवार को रुद्राभिषेक एवं शाम 8 बजे से महाआरती के अनुष्ठान किए जा रहे हैं.

शुभ सिटी रहवासियों ने किया पौधारोपण

इंदौर. शहर को हरा-भरा और पर्यावरण को संरक्षित रखने की दिशा में इंदौरवासियों की जागरूकता लगातार बढ़ रही है. इसी कड़ी में शुभ सिटी के रहवासियों ने रविवार को तीन इमली मुक्तिधाम परिसर में पौधारोपण कर एक सराहनीय पहल की.

आठ सफाई मित्रों का किया सम्मान

इंदौर. इंदौर को लगातार आठवीं बार स्वच्छता पुरस्कार मिलने की खुशी में विशाल एवेन्यू रहवासी संघ ने भी सफाई कर्मियों का सम्मान किया गया. कालोनी मे आयोजित समारोह मे आठ स्वच्छता मित्रों को शॉल और श्रीफल से सम्मानित किया गया. इस अवसर पर संघ के सचिव संजय उपाध्याय ने कहा कि जब भी वे किसी दूसरे शहर में जाते हैं और इंदौर का नाम लेते हैं, तो लोग आदर के साथ पेश आते हैं. उन्होंने इस सम्मान का पूरा श्रेय सफाई मित्रों के लगातार और कड़ी मेहनत को दिया. इस अवसर पर विशाल एवेन्यू के सभी रहवासी उपस्थित थे, स्वच्छता मित्रों के प्रति अपना जुड़ाव शामिल था.

प्राइम डे अब तक का सबसे ज्यादा खरीदारी इवेंट

बेंगलुरु. इस साल प्राइम डे पर अधिक सदस्यों ने पिछले किसी भी प्राइम डे इवेंट की तुलना में अधिक खरीदारी की. इस साल का प्राइम डे इवेंट पिछले प्राइम डे इवेंट से बड़ा था, जिसमें रिकॉर्ड बिक्री और तीन दिनों में अधिक आइटम बिके. विशेष रूप से, इवेंट से पहले 70% नए प्राइम साइन-अप टियर 2 और 3 शहरों और कस्बों से आए. प्राइम डे 2025 भारत भर में छोटे और मध्यम व्यवसायों के लिए भी शानदार सफलता थी. प्राइम डे 2025 के दौरान बिक्री प्राप्त करने वाले एसएमबीस की संख्या अब तक की सबसे अधिक थी, जो पिछले साल की तुलना में 30% अधिक थी. अक्षय साही, हेड ऑफ अमेजन प्राइम, डिलीवरी और रिटर्न्स एक्सपीरियंस, इंडिया और इमर्जिंग मार्केट्स ने कहा हम अपने विक्रेताओं, ब्रांड्स और बैंक पार्टनर्स को धन्यवाद देना चाहते हैं जिन्होंने भारत में अब तक का सबसे बड़ा प्राइम डे देने में हमारी मदद की. हमें अपने ग्राहकों को बड़ी बचत करने में मदद करना पसंद है, और प्राइम डे प्राइम मेंबर्स द्वारा प्रदान किए जाने वाले मूल्य, तेज डिलीवरी, शानदार डील्स, नए लॉन्च और ब्लॉकबस्टर मनोरंजन का अंतिम उत्सव है.

एथर एनर्जी के मप्र में 25 एक्सपीरियंस सेंटर

इंदौर. एथर एनर्जी लिमिटेड के पास मध्य प्रदेश में 25 एक्सपीरियंस सेंटर हो गए हैं. कंपनी ने अपना 25वाँ एक्सपीरियंस सेंटर मंदसौर में खोला है. एथर कंपनी पिछले कुछ महीनों से मध्य प्रदेश में अपना विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है, ताकि राज्य में एथर के इलेक्ट्रिक स्कूटरों, खासकर इसके फैमिली स्कूटर, रिज़्टा की बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके. एथर ने पिछले दो महीनों में मध्य प्रदेश में 07 नए एक्सपीरियंस सेंटर, ग्वालियर, भोपाल, बैतूल, शिवपुरी, रतलाम, छतरपुर और मंदसौर में खोले हैं. इन एक्सपीरियंस सेंटर्स के अलावा, मध्य प्रदेश में वर्तमान में एथर के 20 सर्विस सेंटर (एससी) काम कर रहे हैं, जिनमें इंदौर का 01 गोल्ड सर्विस सेंटर शामिल है. इन एक्सपीरियंस सेंटर्स पर, ग्राहक एथर 450 परफॉर्मेंस स्कूटर और एथर का पहला पारिवारिक स्कूटर, रिज्टा, खरीद सकते हैं. एथर एनर्जी लिमिटेड के चीफ बिज़नेस ऑफिसर रवनीत सिंह फोकेला ने कहा मध्य प्रदेश में इलेक्ट्रिक स्कूटर लगातार बढ़ रहे हैं. जैसे-जैसे इलेक्ट्रिक स्कूटर के यूज़र्स की संख्या बढ़ रही है, हम मध्य प्रदेश में अपना रिटेल विस्तार भी कर रहे हैं. साथ ही चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर और सर्विस सपोर्ट को मजबूत कर रहे हैं.

17 साल, एक कलर्स, अनगिनत कहानियाँ

इंदौर. 2008 में जब कलर्स की शुरुआत हुई, तो भारतीय टेलीविजन के कैनवास पर कहानी कहने का एक नया युग शुरू हुआ. इसने परंपराओं को तोड़ा और हिंदी जीईसी की परिभाषा ही बदल दी. बीते 17 वर्षों में कलर्स ने टीवी स्क्रीन ही नहीं, दिलों को भी उन कहानियों से रंगा जो सच में मायने रखती हैं- बाल विवाह जैसे मुद्दे उठाने वाले बालिका वधू से लेकर लैंगिक भेदभाव को चुनौती देने वाली शक्ति तक, और बिग बॉस, खतरों के खिलाड़ी, तथा हालिया हिट लाफ्टर शेफ्स- अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट जैसे रियलिटी शोज तक हमेशा हमेशा ऐसे अनसुने नायकों का सम्मान किया है जो शांत लेकिन अडिग साहस के प्रतीक हैं. चैनल की 17वीं वर्षगांठ पर, जियोस्टार के प्रवक्ता आलोक जैन ने कहा जब कलर्स 17 साल का हुआ है, हम एक ऐसी विरासत का जश्न मना रहे हैं जिसने हिंदी मनोरंजन की दुनिया को फिर से परिभाषित किया है और देश भर में बहस को जन्म दिया है. टेलीविज़न आज भी दर्शकों का विश्वसनीय साथी है, और कलर्स ने हमेशा भारतीय जीवन के विविध रंगों और ऐसे पात्रों की कहानियाँ दिखाई हैं जो परिवार जैसे लगते हैं. सामाजिक यथार्थ हमारे कंटेंट का मूल रहा है.

किरदारों का हाल क्यों है बेहाल?

इंदौर. एण्डटीवी के शो 'हप्पू की उलटन पलटन' और 'भाबीजी घर पर हैं' के किरदारों की ज़िंदगी में मचा है जबरदस्त हड़कंप. 'हप्पू की उलटन पलटन' की आगामी कहानी के बारे में बताते हुये गीतांजलि मिश्रा उर्फ राजेश ने कहा, हप्पू (योगेश त्रिपाठी) के घर में इस समय हंगामा मच जाता है जब पंडितजी सलाह देते हैं कि खुशहाली के लिए हर घर का एक ठीक-ठाक नाम होना चाहिए. इस बात को गंभीरता से लेते हुए, राजेश और उनकी मां अवधेशिया एक नेमप्लेट लेकर आती हैं जिस पर लिखा होता है 'राजेश सदन'. ये देखकर कटोरी अम्मा भड़क जाती हैं. उनके मुताबिक घर का असली आधार हप्पू है, इसलिए नाम होना चाहिए 'हप्पू सदन'. इसके बाद शुरू होता है अम्मा बनाम अवधेशिया का महायुद्ध, जिससे पूरा परिवार दो गुटों में बंट जाता है. भाबीजी घर पर हैं' की आने वाली कहानी को लेकर विभूति नारायण मिश्रा यानी आसिफशेख बताते हैं मॉडर्न कॉलोनी के लोग अपने बोरिंग रूटीन से तंग आ चुके हैं. इसी उबाऊ माहौल में विभूति और तिवारी एक फ्लैशबैक फैंटेसी में चले जाते हैं, जहां वे पहले की रंग-बिरंगी पार्टियों और शादियों की यादें ताज़ा करते हैं. इधर हकीकत में टीका की मुलाकात एक लड़की से होती है और पहली ही नज़र में वो उससे प्यार करने लगता है. बात जल्द ही शादी तक पहुंच जाती है, और पूरी कॉलोनी में खुशी की लहर दौड़ जाती है!

इंदौर के दोनों ब्रिज की डिजाइन फिर बनेगी

आईआईटी द्वारा जांच के बाद होगा काम शुरू

नव भारत न्यूज

इंदौर. आखिरकार इंदौर में पीडब्ल्यूडी द्वारा बनाए जा रहे दोनों ब्रिज के डिजाइन फिर से बनाने का निर्णय विभाग को लेना पड़ा. अब इंदौर के एमआर 4 भागीरथपुरा और बाणगंगा रेलवे ओवर ब्रिज की डिजाइन दोबारा बनेगी. पीडब्ल्यूडी मुख्य अभियंता डिजाइन का अनुमोदन करेंगे. इसके बाद आईआईटी इंदौर द्वारा डिजाइन प्रूफ जांच की जाएगी.

पीडब्ल्यूडी ने इंदौर के एमआर-4 और बाणगंगा रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण कार्य को फिलहाल बंद कर दिया है. इसकी वजह यह है कि दोनों ब्रिज की भुजाओं में 90 के मोड़ बन रहे है. इसको लेकर नव भारत ने सबसे पहले दोनों ब्रिज का मुद्दा उठाया था. खबर प्रकाशित होने के बाद मामला भोपाल में मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, मंत्री और मुख्यमंत्री तक पहुंचा. मामला संज्ञान में आने के बाद पीडब्ल्यूडी विभाग में इंदौर से लेकर भोपाल तक खलबली मच गई. पीडब्ल्यूडी विभाग में भ्रामक प्रचार भी बताने की कोशिश की. इसके बाद जब नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मौके पर अधिकारियों से जानकारी ली और पीडब्ल्यूडी विभाग के ब्रिज सेल की गलती को सही पाया. इसके बाद पीडब्ल्यूडी विभाग ने निर्णय लिया है कि इंदौर के दोनों ब्रिज के डिजाइन फिर से बनाई जाएगी। नई डिजाइन को प्रदेश पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता अनुमोदन करेंगे। इसके बाद डिजाइन के प्रूफ चेकिंग आईआईटी इंदौर द्वारा जांच की जाएगी. आईआईटी द्वारा प्रूफ चेकिंग के बाद ही दोनों ब्रिज का काम शुरू होगा.

इंदौर के बाणगंगा में भी बन रहा है 90 डिग्री वाला ब्रिज!

वीरेंद्र वर्मा

इंदौर. मध्यप्रदेश के पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों की इंजीनियरिंग किसी अजूबे से कम नही है! इंदौर में एक नहीं बल्कि दो ऐशबाग की तर्ज पर ब्रिज का निर्माण पीडब्ल्यूडी कर रहा है. पहला ऐशबाग का उदाहरण है एमआर 4 पर लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन और दूसरा उदाहरण है बाणगंगा रेलवे ओवर ब्रिज!

इंदौर में पीडब्ल्यूडी का एक ओर करिश्मा सामने आया है. पीडब्ल्यूडी का यह करिश्मा बाणगंगा रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण का है, जो सुखलिया,खाती पूरा से बाणगंगा ब्रिज पर उज्जैन रोड से मिलेगा. पीडब्ल्यूडी की अजब गजब इंजीनियरिंग का उदाहरण है कि बाणगंगा के पुराने ब्रिज के स्लोप पर खातीपुरा से आ रहे बाणगंगा ब्रिज का पीलर बनेगा. पीलर के लिए खोदे गए पायल अभी तो भर दिए है, लेकिन आगे उज्जैन की तरफ जाने वाले रास्ते पर पीलर के पायल खोद कर रखे हैं. बाणगंगा से उज्जैन रोड पर आने जाने वाले ब्रिज की चार लेन के स्लोप पर पायल खोद गए थे, जो फिलहाल भर दिए है, लेकिन पायल के निशान ब्रिज पर मौजूद है. खातीपुरा से बन कर उज्जैन रोड पर मिलने वाली भुजा के पीलर 90 डिग्री का टर्न बन रहा है, जो पीडब्ल्यूडी की महान इंजीनियरिंग का नमूना पेश कर रहा है. खास बात यह है कि उक्त 90 डिग्री के टर्न के नीचे से उज्जैन से आने वाले वाहन मरीमता तरफ जाएंगे। खातीपुरा ब्रिज का पीलर बाणगंगा ब्रिज से 30 फीट दूर रहा गया है. मौके पर जाकर देखने पर पता चलता है कि पीडब्ल्यूडी अधिकारी घर बैठे इंजीनियरिंग कर रहे है! ठेकेदार को जो समझ आ रहा है या यूं भी कह सकते है कि जो मन कर रहा है वो काम कर रहा है! (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पीडब्ल्यूडी अधिकारियों की 'इंजीनियरिंग' का अजूबा

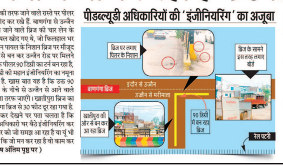

नवभारत ने 25 जून को ब्रेक कर दिया था...

ध्यान रहे कि नवभारत ने 25 जून को एमआर 4 पर लक्ष्मीबाई नगर के 90 डिग्री एंगल का ब्रिज निर्माण की स्टोरी छापी थ. उसमे बताया गया था कि कहां तक ब्रिज के पीलर खड़े हो गए और सिंहस्थ फंड से बनी सड़क पर बिना सोचे समझे पीलर खड़े कर दिए. दोनों ब्रिज का निर्माण एक ही कंपनी रियाल कंस्ट्रक्शन कर रही है. रियाल कंस्ट्रक्शन ने उक्त ब्रिज का ठेका 27.93 करोड़ में लिया है.

भोपाल की तर्ज पर इंदौर में भी 90 डिग्री का बन रहा ब्रिज!

पीडब्ल्यूडी इंजीनियरों का कारनामा, आईडीए द्वारा बनाई सड़क पर ठोक डाले ब्रिज के पीलर

नवभारत न्यूज़

इंदौर. मध्य प्रदेश लोक निर्माण विभाग का भगवान भरोसे ही है. भोपाल के बाद अब इंदौर में भी पीडब्ल्यूडी करिश्मा करते हुए 90 डिग्री एंगल का ब्रिज बना रहा है. यह ब्रिज लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन के बाहर एमआर-4 सड़क पर बनाया जा रहा है. खास बात यह है कि सिंहस्थ 2016 के फंड से बनी एमआर-4 सड़क पर ही पीडब्ल्यूडी ने ब्रिज के पीलर खड़े कर दिए, जबकि सड़क के पास अतिरिक्त जमीन उपलब्ध है.

अगर पूरे देश में आधुनिक इंजीनियरिंग का लेटेस्ट वर्जन देखना है तो इंदौर के लक्ष्मी बाई नगर रेलवे स्टेशन बाहर देखा जा सकता है! पीडब्ल्यूडी द्वारा रेलवे ओवर ब्रिज बनाया जा रहा है, जो 80 से 90 डिग्री एंगल को दर्शा रहा है. इसके पहले पीडब्ल्यूडी भोपाल में यह करिश्मा कर चुका है और वहां 90 डिग्री एंगल का ब्रिज बनाया है. शहर के जनप्रतिनिधि और विकास का गुणगान करने वाले अधिकारियों की नजर भी उक्त ब्रिज पर नहीं गई. पीडब्ल्यूडी द्वारा सिर्फ गलत ब्रिज ही नहीं बनाया जा रहा है, बल्कि करोड़ों की सड़क का नुकसान भी कर दिया है. आईडीए ने पिछले सिंहस्थ फंड से मिली राशि से 16 करोड़ की लागत से एमआर-4 सड़क निर्माण किया था. एमआर-4 मास्टर प्लान में 45 मीटर चौड़ी है, लेकिन 30 मीटर चौड़ाई को लेकर बची सड़क का नगर निगम द्वारा निर्माण किया जा रहा है. पूर्व में आईडीए ने उक्त सड़क को सिंहस्थ के लिए बनाया था. उक्त सड़क सरवटे बस स्टैंड से आईएसबीटी कुमेड़ी को जोड़ने वाली लिंक रोड है. करीब 5.5 किलोमीटर लंबी है.

मुख्य कैरेज वे पर आरओबी के पीलर बना दिए

पीडब्ल्यूडी ने अदूरदर्शिता का परिचय देते हुए एमआर-4 सड़क के एक तरफ के मुख्य कैरेज वे पर आरओबी के पीलर बना दिए. इतना ही नही ब्रिज का रेलवे गेट की तरफ मुड़ने के लिए वर्तमान में 90 डिग्री का टर्न बनने वाला है, इसका अंदाजा मौके पर खड़े पीलर को देखकर लगाया जा सकता है. भागीरथपुरा के बाहर से एमआर-4 सड़क से ब्रिज शुरू हुआ है और रेलवे क्रॉसिंग के बाद दूसरी तरफ उतार दिया गया है.

इनका कहना है...

इस बारे में पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन यंत्री परमानंद पांडेय ने कहा कि उक्त ब्रिज सेल मेरे प्रभार में नहीं है. पीडब्ल्यूडी कार्यपालन यंत्री गुरमीत कौर ने कहा कि इस बारे में मौके पर जाकर देखने के बाद ही कुछ कहूंगी. मुझे ज्वाइन किए सिर्फ पांच दिन ही हुए है.

भुजा ही गलत बना दी

जानकारों द्वारा बताया जाता है कि ब्रिज की भुजा ही गलत बना दी है ठेकेदार कंपनी ने. पीडब्ल्यूडी के इंदौर अधीक्षण यंत्री से लेकर भोपाल में बैठे मुख्य अधीक्षण यंत्री को इसकी खबर नहीं है, ऐसा नहीं है. सब एक दूसरे की गलती निकालने में लगे रहेंगे, लेकिन कोई मौके पर जाकर समस्या का निराकरण नहीं करेगा. सवाल है कि ब्रिज का निर्माण रोककर गलत निर्माण सही करने की कोशिश और दोषी पर कारवाई कौन करेगा?

आईआईटी द्वारा स्वीकृत करने के बाद काम शुरू होगा

उक्त खबर की पुष्टि करते हुए प्रभारी कार्यपालन यंत्री गुरमीत कौर भाटिया ने बताया कि दोनों ब्रिज की डिजाइन सीई द्वारा अनुमोदन के पश्चात आईआईटी के प्रूफ चेकिंग के लिए भेजेंगे. आईआईटी द्वारा जांच और स्वीकृत करने के बाद काम शुरू होगा.

नगर निगम वार्ड आरक्षण पर हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच का बड़ा फैसला

- रोटेशन पद्धति से आरक्षण को दी वैधता
- किया सिंगल बेंच का आदेश रद्द

नवभारत न्यूज

इंदौर. नगर निगम के वार्ड आरक्षण को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद पर मध्यप्रदेश हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने स्पष्टता ला दी है. अदालत ने राज्य निर्वाचन आयोग और शासन की उस अपील को स्वीकार कर लिया है, जिसमें रोटेशन पद्धति से किए गए वार्ड आरक्षण को सही ठहराया गया था. साथ ही, 10 जनवरी 2022 को हाई कोर्ट की सिंगल बेंच द्वारा दिए गए उस आदेश को निरस्त कर दिया है, जिसमें आरक्षण प्रक्रिया को त्रुटिपूर्ण बताया गया था.

डिवीजन बेंच के इस फैसले के बाद नगर निगम चुनाव प्रक्रिया में आ रही कानूनी अड़चनें काफी हद तक दूर हो गई हैं. शासन ने अदालत में दलील दी थी कि नगर निगम के 85 वार्डों में रोटेशन पद्धति को अपनाते हुए अनुसूचित जाति, जनजाति और महिला आरक्षण का निर्धारण विधि अनुसार किया गया है. सिंगल बेंच ने पहले इस प्रक्रिया को खारिज कर दिया था, जिससे कई वार्डों के आरक्षण को चुनौती दी गई थी. इस निर्णय से स्पष्ट हो गया है कि रोटेशन पद्धति से आरक्षण तय करना संविधान और नियमों के अनुरूप है.

इससे पहले कई पार्षद पद के संभावित दावेदारों ने आरक्षण सूची को आधार बनाकर याचिकाएं दाखिल की थीं, जिनमें आरक्षण की पद्धति पर सवाल उठाए गए थे. अब डिवीजन बेंच के फैसले के बाद संभावना है कि इंदौर सहित प्रदेश के अन्य निकाय क्षेत्रों में भी चुनावी प्रक्रिया को लेकर रास्ता साफ होगा. निर्वाचन आयोग ने इस निर्णय को चुनाव कार्यक्रम की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है.

महापौर भार्गव बने न्याय मित्र

- मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने यातायात मामलों में की नियुक्ति

इंदौर. मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा इंदौर शहर से जुड़े यातायात से संबंधित मामलों में महापौर पुष्यमित्र भार्गव को न्याय मित्र के रूप में नियुक्त किया गया है.

इस नियुक्ति का उद्देश्य न्यायालय को निष्पक्ष, तथ्यपरक और विशेषज्ञ सलाह प्रदान करना है, ताकि न्यायिक प्रक्रिया में यातायात प्रबंधन, शहरी विकास तथा जनहित के मुद्दों पर संतुलित और सूचित निर्णय लिया जा सके. उच्च न्यायालय ने यह निर्णय यातायात व्यवस्था, नागरिक सुविधाओं, एवं इससे जुड़े जनहित याचिकाओं को दृष्टिगत रखते हुए लिया है। महापौर के अनुभव और शहरी विकास में सक्रिय भागीदारी को देखते हुए न्यायालय ने उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है. उक्त प्रकरण में अगली सुनवाई मंगलवार को निर्धारित की गई है, जिसमें न्यायालय के समक्ष विभिन्न पक्षों की दलीलों के साथ महापौर द्वारा प्रस्तुत सुझावों और तथ्यों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी. यह मामला न केवल यातायात और अवसंरचना से जुड़ा है, बल्कि इसमें आम नागरिकों की भागीदारी और उनके सुझावों को भी विशेष महत्व दिया जा रहा है.

मौसम ने ली करवट, बारिश से गर्मी में राहत

- डेढ़ घंटे बरसा पौन इंच पानी

नव भारत न्यूज

इंदौर. आज दोपहर बाद मौसम ने करवट ली और दोपहर में करीब डेढ़ घंटे बादलों ने शहर को भिगो दिया. इसके पहले पिछले सोमवार को बादल बरसे थे, लेकिन हल्के फुल्की बारिश हुई थी. आज डेढ़ घंटे में करीब पौन इंच बारिश दर्ज की गई. इस तरह अभी तक शहर में 7.25 इंच बारिश हुई है, जो पिछले साल के मुकाबले में आधी बारिश भी नहीं है.

इंदौर में पिछले महीने के 18 तारीख को मानसून घोषित किया गया था. आज एक माह बीतने के बाद भी शहर में सामान्य बारिश का आंकड़ा पार नहीं हुआ है. समय तौर पर जुलाई माह में बारिश का आंकड़ा 15 से 20 इंच के बीच रहता है. इस बार ऐसा नहीं हुआ है. दक्षिण में सिस्टम बनने के बाद भी पश्चिमी मध्य प्रदेश में सूखे जैसे हालात बन रहे है. वही पूर्वी मध्य प्रदेश में अच्छी बारिश हो रही है. अभी तक बारिश के मौसम में पूर्वी मध्य प्रदेश में 75 प्रतिशत बारिश होने का अनुमान बताया जा रहा है. वही पश्चिमी मध्य प्रदेश में सामान्य से 60 प्रतिशत बारिश कम होना बताया गया है. खैर, आज सुबह गर्मी और उमस के कारण हाल बेहाल हो रहे थे, लेकिन दोपहर में मौसम ने करवट ली और तेज बारिश का दौर शुरू हुआ और रुक रुक कर तेज बारिश होती रही. दोपहर तीन बजे से लेकर 4.30 बजे डेढ़ घंटे बारिश हुई. डेढ़ घंटे में करीब पौन इंच पानी गिरा है. इस तरह अभी तक कुल 7.25 इंच पानी गिर चुका है, जो सामान्य से करीब 10 इंच बारिश कम होना बताया गया है. शहर के सभी तालाब और बावड़ी का जल स्तर अभी भी बहुत नीचे है.

महापौर ने मुख्यमंत्री को दी स्वच्छता ट्रॉफी और शुभकामनाएं

नव भारत न्यूज

भोपाल. महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को स्वच्छता ट्रॉफी और सर्वेक्षण में इंदौर को पुनः नंबर बनने के लिए शुभकामनाएं दी. महापौर ने कहा कि यह उपलब्धि मुख्यमंत्री के नेतृत्व एवं सहयोग से ही पाई है.

महापौर पुष्यमित्र भार्गव आज मुख्यमंत्री एसडी मिलने भोपाल पहुंचे. उसके साथ कैबिनेट मंत्री तुलसीराम सिलावट, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, निगम आयुक्त शिवम वर्मा, अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा, मुख्य स्वास्थ अधिकारी अखिलेश उपाध्याय, अश्विनी शुक्ला, स्वच्छता दीदी भी थी.

महापौर भार्गव ने मुख्यमंत्री को स्वच्छता ट्रॉफी सौंपते हुए कहा कि इंदौर लगातार आठवीं बार देश का सबसे स्वच्छ शहर बना है, जो नगर निगम की टीम, सफाई मित्रों और नागरिकों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है. यह सब आपके सहयोग का परिणाम है, इसलिए यह ट्रॉफी आपको समर्पित है. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर नगर निगम के प्रयासों की सराहना की. साथ ही पूरे प्रदेश को इंदौर की तर्ज़ पर स्वच्छता अभियान में अग्रसर करने का संकल्प दोहराया.

नेतृत्व सिर्फ एक पद नहीं, बल्कि जिम्मेदारी

इंदौर मैनेजमेंट एसोसिएशन द्वारा विशेष ओपन फोरम सेशन का आयोजन

नवभारत न्यूज

इंदौर. इंदौर मैनेजमेंट एसोसिएशन द्वारा एक विशेष ओपन फोरम सेशन- फ्रॉम कुरुक्षेत्र टू कॉर्पोरेट: एन्सिएंट लेसंस फॉर मॉडर्न लाइफ विषय पर आयोजित किया गया. यह कार्यक्रम आईसीएआई ऑडिटोरियम नगर में आयोजित किया गया. इस प्रेरणादायक सत्र के मुख्य वक्ता रहे अतुल सत्य कौशिक- जो एक प्रतिष्ठित लेखक, निर्देशक, चार्टर्ड अकाउंटेंट तथा भारतीय पौराणिक कथाओं के प्रभावशाली व्याख्याकार हैं.

उन्होंने महाभारत, रामायण और श्रीमद्भगवद्गीता जैसे ग्रंथों में निहित गूढ़ शिक्षाओं को आज के कॉरपोरेट जीवन से जोड़ते हुए सरल और प्रभावी भाषा में श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुत किया. श्री कौशिक ने संवाद, नेतृत्व, आत्मचिंतन और नीति जैसे विषयों पर चर्चा करते हुए कई प्रेरणादायक बातें साझा कीं. उन्होंने बताया कि संवाद हमेशा स्पष्ट और उद्देश्यपूर्ण होना चाहिए जैसे एक योद्धा का शस्त्र. प्रश्न पूछने की आदत सफलता की ओर पहला कदम है.

नेतृत्व सिर्फ एक पद नहीं, बल्कि जिम्मेदारी है- जैसा नेतृत्व होगा, वैसा ही संगठन बनेगा. स्वयं को जानना, अपनी सीमाओं को पहचानना ही सच्चा ज्ञान है. हनुमान, भीम, अर्जुन और शिखंडी जैसे पात्रों से प्रेरणा लेकर हम अपने भीतर छिपी शक्ति को पहचान सकते हैं.

जब जरूरत हो तभी बोलो

उन्होंने कहा जब ज़रूरत हो तभी बोलो, सत्य बोलो, लेकिन हमेशा कड़वा सत्य ही मत बोलो. गीता वाद सिखाती है, विवाद नहीं. इस सत्र में प्रत्यूष हेलन, रजत धानुका, सपन शाह, अखिलेश खंडेलवाल सहित इंदौर के प्रमुख कॉरपोरेट प्रतिनिधि, प्रबंधन छात्र, प्रोफेशनल्स एवं शिक्षाविदों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और इस ज्ञानवर्धक चर्चा से लाभ प्राप्त किया.

शहर में 13 वर्ष के जैन बाल मुनि सैकड़ों सवालों को याद रखकर तत्काल दोहराएंगे

इंदौर. शहर में रविवार, 10 अगस्त को रेसकोर्स रोड स्थित अभय प्रशाल स्टेडियम पर एक ऐसा अनूठा, आध्यात्मिक और दिलचस्प आयोजन होने जा रहा है, जब जैनाचार्य नयचंद्रसागर सूरीधर की पावन निश्रा में गणिवर्य डॉ. अजीतचंद्र सागर की प्रेरणा से एक 13 वर्षीय मुनिराज विजयचंद्र सागर सैकड़ों सवालों को मुंहजबानी याद रखकर तत्काल उन्हें दोहराएंगे, बल्कि सीधे क्रम में, उल्टे क्रम में और रेंडम क्रम में भी उन सभी सवालों या पूछी गई बातों को सुपर कम्प्यूटर की तर्ज पर स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शकों और श्रोताओं के बीच प्रस्तुत भी करेंगे.

आयोजन समिति की ओर से ललित सी. जैन, अक्षय सुराना, निशांत कोठारी, दिलीप शाह एवं संदीप पोरवाल ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि 13 वर्षीय मुनिराज विजयचंद्र सागर इस कच्ची उम्र में भी सैकड़ों सवालों को अपनी स्मरण शक्ति में संजोकर उन्हें हजारों लोगों की मौजूदगी में जस का तस दोहराकर अथवा पूछे गए सवालों का उत्तर देकर अपनी संयम, साधना और स्मृति का विस्मयकारी समन्वय प्रस्तुत करेंगे. संभवतः विश्व में इतनी कम उम्र के बालक द्वारा इस तरह के जीवंत कार्यक्रम का यह पहला अवसर होगा. यह कार्यक्रम अभय प्रशाल स्टेडियम इंदौर में 10 अगस्त को सुबह 8.30 बजे से प्रारंभ होगा और देशभर से अनेक समाजबंधु और विद्वान तथा गणितज्ञ भी उनके इस प्रदर्शन के साक्षी बनने के लिए इंदौर आएंगे. जैनाचार्य प.पू. नयचंद्र सागर म.सा. एवं गणिवर्य डॉ. प.पू. अजीतचंद्र सागर म.सा. भी इस समूचे महोत्सव में स्वयं शामिल रहेंगे।

कार्यशाला — फ्लो इंदौर द्वारा फैशन कार्यशाला का आयोजन

महिलाओं ने सीखा आत्मविश्वास से स्टाइल करना

नवभारत न्यूज

इंदौर. महिलाओं को आत्मविश्वास और शरीर-सकारात्मकता की दिशा में प्रोत्साहित करते हुए, फिक्की फ्लो इंदौर ने ट्रांसफॉर्म योर स्टाइल नामक एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया. यह कार्यशाला महिलाओं के लिए फैशन, आत्म-खोज और प्रेरणा भरा एक अवसर साबित हुई, जिसमें 48 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया.

यह आयोजन स्कीम 140 स्थित एक फैशन स्टूडियो में आयोजित किया गया और दो सत्रों में संपन्न हुआ. कार्यशाला का उद्देश्य महिलाओं को स्टाइल के माध्यम से आत्म-विश्वास बढ़ाने और अपने शरीर के अनुरूप फैशन को अपनाने के लिए प्रेरित करना था. कार्यशाला का आयोजन फ्लो इंदौर अध्यक्ष सीए श्वेता अग्रवाल के मार्गदर्शन में और डॉ. प्रियंका मोक्षमर, एमएसएमई इनिशिएटिव प्रमुख, फ्लो इंदौर के संयोजन में किया गया. सत्र का संचालन प्रसिद्ध फैशन डिज़ाइनर पुरवा कुमार ने किया, जिनके पास फैशन इंडस्ट्री में 12 वर्षों से अधिक का अनुभव है. उन्होंने प्रतिभागियों को शरीर के प्रकार को समझने, स्टाइलिंग के सही तरीके अपनाने और अपने मौजूदा वार्डरोब से कैप्सूल वार्डरोब तैयार करने की उपयोगी जानकारी दी. प्रतिभागियों ने इस सत्र को आत्म-जागरूकता, व्यावहारिक सुझावों और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर बताया. यह कार्यक्रम न केवल व्यक्तिगत आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला रहा, बल्कि फ्लो इंदौर की उस व्यापक पहल का हिस्सा भी है, जिसमें महिलाओं को ज्ञान, नेटवर्किंग और समुदाय के माध्यम से सशक्त बनाया जा रहा है.

कपड़े शरीर में फिट होना चाहिए

कार्यशाला का मुख्य संदेश था- आपको कपड़ों में फिट होने की ज़रूरत नहीं- कपड़ों को आपके शरीर में फिट होना चाहिए. यह विचार महिलाओं के लिए न केवल प्रेरणादायक था, बल्कि यह भी बताया कि हर शरीर सुंदर है और फैशन को उसे अपनाना चाहिए, न कि उसे बदलने की कोशिश करनी चाहिए.